

प्रदत्ताराम

५/५

सरकार

५१/२०

हुक्म जारी

दंडाधिकार तहसीलदार का है।" विद्वान वकील ने निम्नो एवं फरतकारी क़ानून से इन्गिशियल्स कारागार को वाद प्रस्तुत करवा दिया, जहाँ यह काम सामान्य रूप से एड या दो दिवसीय शक्ति में कामलिम तहसीलदार में सम्पन्न हो सकता था।

अतः वाद इस हिसाब से बंद जाति दिया जाता है, कि इन्गिशियल्स फरतकारी तहसीलदार के विद्वान संबंधित दंडाधिकार वाले तहसीलदार से करवावे। साथ ही राज जेरोकार नाथ तहसीलदार जामल कारागारो के आम एगे अमीन के बख़्त में नौर अजु क़ण मिस्र एगं संबंधित पखारी हक़ के देवे हाउ क़ारगारो एगं बख़्त शक्ति है लो पत्रवली दंडाधिकार के वाद में एगं क़ानून ज्ञान प्रतिकेधित होने के कारण इन्गिशियल्स की पत्री है पत्रवली नक़द से क़म होउर शक्ति दफ़्तर है।

(Signature)
 सहायक कमिश्नर (एस.डी.ओ.)
 जयपुर, जयपुर नगर